

20/6
25

पत्रावली पेक्ष। दुई। वादीगण की ओर से कोई
उप. नहीं। काल-काल आवान लावावने के वाक्य
व विगण की ओर से कोई उपस्थिति नहीं। अतः
दावा वादीगण अक्षय विरी-अक्षय पंक्ति से अक्षय
क्रिया जाया है। पत्रावली जैमल शुभाल होकर दाविल
रफ्तार हो व नम्बर से अक्षय।

उपखण्डाधिकारी
धौलपुर (राज०)